Baba’s Praise

12/5/2015

- बाप से मिलता ही है वर्सा। यह है सबका बेहद का बाप, जिससे बेहद का सुख, बेहद की प्रॉपर्टी मिलती है।
- हम आत्मायें परमात्मा बाप से वर्सा लेते हैं।
- आत्मायें हैं बच्चे, परमात्मा है बाप।
- बेहद के बाप से राजाई लेने आये हो।
- बाप तुम बच्चों को श्रेष्ठ बनने का सहज रास्ता बताते हैं । अब बाप आये हैं नंगन होने से बचाने।
- बाप कहते हैं तुम हमको बुलाते हो कि आकर हमको पतित से पावन बनाओ, राजयोग सिखाओ।
- बाप की श्रीमत और गत सबसे न्यारी है। वही एक बाप हमारी सद्गति करने वाला है, दूसरा न कोई।

- बच्चे जानते हैं कि हम बाबा के साथ बैठे हुए हैं - यह है बड़े ते बड़ा बाबा, सबका बाबा है।
- बच्चे जानते हैं हम उनसे पढ़ते हैं, जिसको याद करते थे कि बाबा आकर हमारे दु:ख हरो सुख दो।
- शिवबाबा को रचता नहीं कहेंगे। रचता कहेंगे तो प्रश्न उठेगा कि कब रचना की? प्रजापिता ब्रह्मा अभी संगम पर ही ब्राह्मणों को रचते हैं ना। शिवबाबा की रचना तो अनादि है ही।